'समाजसेवा व नैतिक शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल हो'

◆ कोरौ गांव में कुरु ऊँ विद्यालय का उद्घाटन

सुल्तानपुर, 14 जनवरी (जाका): देश के शिक्षा पाठयक्रम में नैतिक शिक्षा व समाजसेवा को भी विषय के रूप में सम्मिलित किया जाना चाहिए। यह विचार कम्बोडिया के पूर्व राजदूत सी.एफ.भण्डारी ने व्यक्त किये। वे कोरौ गांव में कुरु ऊँ विद्यालय के उद्घाटन अवसर पर आयोजित शिक्षा गोष्ठी में व्यक्त किये। विद्यालय का उद्घाटन पर्यटन मंत्री विनोद सिंह ने किया।

धनपतगंज के कोरों गांव में विद्यालय में आयोजित गोष्ठी में उपस्थित अतिथि गण

श्री भण्डारी ने कहा कि कुरु ऊँ विद्यालय पंचमुखी शिक्षा प्रदान करता है। इसलिए यहां से निकलने वाले विद्यार्थी नैतिक शिक्षा व समाजसेवा से परिपूर्ण होंगे। पर्यटन मंत्री ने कहा कि शिक्षा के मामले में पिछड़े अपने जिले में विश्व विद्यालय की महती आवश्यकता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो.बी.डी.मिश्रा ने कहा कि स्कूलों का उद्देश्य डिग्री बांटना नहीं योग्य व्यक्तित्व का निर्माण करना है। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.पी.एन.श्रीवास्तव ने कहा कि देश की जीडीपी का क्षेत्र का छह प्रतिशत शिक्षा पर व्यय होना चाहिए। जबकि साढ़े तीन प्रतिशत भी नहीं। एसोसिएट प्रो.ग्रीस झा ने कहा कि देश को साक्षर बनाने के लिए कम्प्यूटर व इंटरनेट की महती आवश्यकता है। इसलिए हिन्दी और संस्कृत में भी साफ्टवेयर बनाने की कोशिशें जारी हैं। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग के प्रवक्ता डा.विपिन पाण्डेय, मेसाच्युसेट्स विश्वविद्यालय के प्रो.बलराम सिंह ने त्रिनिदाद एवं तुबैको स्थित सरस्वती मंगलम के संस्थापक रामधीन रामसमुझ, लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.आर.पी.सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की एसोसिएटस प्रो.विमला ब्यास, नार्थ साउथ फाउण्डेशन अमेरिक के अध्यक्ष राघवेन्द्र पटौरी, डीपीएस की विभागाध्यक्ष आशा लता पाण्डेय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के रिसर्च एसोसिएटस डा.उमेश आदि ने शिक्षा गोष्ठी में हिस्सा लिया। संस्था के निदेशक प्रेमप्रकाश सिंह ने आंगतुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं विश्वास दिलाया कि उनकी संस्था के जो साफ्टवेयर इंजीनियर वैदिक शिक्षा पर कार्य कर रहे हैं उसमें सफल होंगे।

सुलतानपुर शुक्रवार, 15 जनवरी 2010 लखनऊ

शिक्षा में काफी पिछड़ा है जनपद : मंत्री

पर्यटन राज्यमंत्री विनोद सिंह ने किया धनपतगंज के कोरौ में कुरऊँ विद्यालय का उद्घाटन

हिन्दुस्तान संवाद

धनपतगंज

कोरौ धनपतगंज में कुरऊँ विद्यालय का उद्घाटन पर्यटन राज्यमंत्री विनोद सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि सुलतानपुर शिक्षा के मामले में बहुत पिछड़ा है। यहाँ एक विश्वविद्यालय की आवश्यकता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध समाजशास्त्री प्रो. डॉ. चौड़ी मिश्रा ने कहा कि स्कूलों का उद्देश्य डिग्री बाँटना नहीं, बल्कि प्रतिभाशाली विद्यार्थी एवं योग्य व्यक्तित्व का निर्माण करना है। शिक्षा में नैतिक मूल्यों एवं संस्कृति का विकास आवश्यक है। जवाहर लाल नेहरू वि.वि. के पूर्व कुलपति प्रो. पीएन श्रीवास्तव ने कहा कि देश की जीडीपी का छह प्रतिशत शिक्षा में लागू होना चाहिए, जो कि अभी 3.5 प्रतिशत भी नहीं है। प्रो. विरेश झा ने कहा कि अगर भारत को साक्षर बनाना है तो कम्प्यूटर और इंटरनेट की जानकारी छात्रों को अवश्य दी जानी चाहिए। कुरऊँ संस्था के निदेशक प्रेम प्रकाश सिंह ने कहा कि वैदिक शिक्षा ही विश्व को शांति एवं समृद्ध प्रदान कर सकती है। श्री सिंह ने बताया कि उनकी कम्पनी के कुछ सॉफ्टवेयर इंजीनियर वैदिक शिक्षा और कम्प्यूटर पर ही कार्य कर रहे हैं। लखनऊ वि.वि. के ज्योतिष विभाग के प्रवक्ता डॉ. विपिन पाण्डेय ने कहा कि ज्योतिष योग एवं ध्यान भारतीय जन मानस को शिखर तक पहुँचा सकता है। कम्बोडिया के पूर्व राजदूत रहे सीएल भंडारी ने कहा कि भारतीय शिक्षा में नैतिक शिक्षा एवं समाजसेवा को भी सम्मिलित किया जाए। अमेरिका से आए प्रो. बलराम सिंह नेह कहा कि भारत की सभ्यता, संस्कृति युक्त शिक्षा ही विश्व के कल्याण का मार्ग खोलेगी। त्रिनिदाद एवं टोबैगो के श्री आर फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं सरस्वती मंदिरम के संस्थापक पं. रामाधीन राम समुज ने कहा कि संस्कृत बोलने से या मंत्र पाठ से मस्तिष्क के बाएँ और दाएँ दोनों भागों का विकास होता है। कार्यक्रम को लखनऊ विवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की शिक्षा शास्त्र की प्रो. विमला श्याम, राघवेन्द्र पतौरी, आशालता पाण्डेय, डॉ. उमेश सिंह, आरके समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।